8 बच्चे की दुआ

यह एक प्रार्थना गीत है इसमें दर्दमंद और वंचितों की हिफ़ाज़त का संकल्प है तथा ख़ुद को बुराई से बचाकर नेक राह पर चलने की दुआ माँगी गयी है।

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी
ज़िन्दगी शम्अ की सूरत हो ख़ुदाया मेरी

दूर दुनिया का मेरे दम से अंधेरा हो जाए
हर जगह मेरे चमकने से उजाला हो जाए

हो मेरे दम से यूँ ही मेरे वतन की ज़ीनत
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत

ज़िन्दगी हो मेरी परवाने की सूरत या-रब
इल्म की शम्अ से हो मुझको मुहब्बत या-रब

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना
दर्दमन्दों से ज़ईफों से मुहब्बत करना

मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको
नेक जो राह हो, उस राह पे चलाना मुझको

मो0 इकबाल

शब्दार्थ

लब	–	होंठ
दुआ	–	प्रार्थना
ज़ीनत	–	शोभा
इल्म	–	शिक्षा
हिमायत	–	भलाई
मुहब्बत	–	प्यार, लगाव
चमन	–	फुलवारी
ज़इफों	–	वृद्धों
नेक	–	अच्छा
या-रब	–	हे ईश्वर
राह	–	रास्ता

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. इस कविता में कवि किन-किन चीज़ों की चाह रख रहा है ?
2. कविता में संसार को बेहतर बनाने की कामना मुखर हुई है । उन कामनाओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

पाठ से आगे

1. अल्लाह बुराई से बचाना मुझको तथा नेक राह में चलने की शक्ति प्रदान करना नज़्म की किन पंक्तियों में ऐसा भाव स्पष्ट किया गया है? नज़्म की उन पंक्तियों को लिखिए।
2. आपके घर में या पड़ोस में बुज़ुर्ग होंगे, आप उनकी देखभाल कैसे करना चाहेंगे ? उल्लेख कीजिए ।
3. अल्लाह और ईश्वर में कोई फ़र्क़ नहीं है। इस बात से आप कहाँ तक सहमत है ? स्पष्ट कीजिए ।
4. **व्याख्या कीजिए :**
   (क) ज़िन्दगी हो मेरी परवाने की सूरत या-रब । इल्म की शम्अ से हो मुझको मुहब्बत या-रब
   (ख) हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत । जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत
   (ग) मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको । नेक जो राह हो, उस राह पे चलाना मुझको

इन्हें भी जानिए

1. पाठ में अनेक शब्द दिए गए हैं, जिनमें नुक्ते का प्रयोग है। उर्दू के विभिन्न वर्णों के नीचे विन्दु का प्रयोग होता है। इन्हें नुक़्ता कहते हैं। नुक़्ते का प्रयोग पाँच वर्णों में होता है-क, ख, ग, ज, फ। इनके चलते अर्थों में बदलाव आ जाता है। जैसे-

काज	-	काम	जरा	-	बुढ़ापा
काज़	-	बटन होल	ज़रा	-	थोड़ा
फन	-	साँप का फन	बाग	-	फुलवारी
फ़न	-	कला	बाग़	-	लगाम, रास
ख़ाना	-	किसी चीज को रखने की जगह			
खाना	-	भोजन			

पाठ से ऐसे शब्दों को चुनकर लिखिए जिसके नीचे नुक़्ता लगा है।

गतिविधि

इस कविता से मिलती-जुलती और भी कविताएँ या गीत आपने सुनी होंगी, उन्हें कक्षा में सुनाइए।